International Journal of Multidisciplinary Trends

E-ISSN: 2709-9369
P-ISSN: 2709-9350
www.multisubjectjournal.com
IJMT 2024; 6(1): 46-50
Received: 18-12-2023
Accepted: 25-01-2024

शिप्रा सिंह
शोधार्थी, भूगोल विभाग, राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान, भारत

डॉ. अनीता माथुर
सेवानिवृत्त आचार्य, भूगोल विभाग, राजकीय महाविद्यालय रामगढ़, अलवर, राजस्थान, भारत

Corresponding Author:
शिप्रा सिंह
शोधार्थी, भूगोल विभाग, राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान, भारत

जयपुर जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का सामाजिक एवं आर्थिक विकास पर प्रभाव (2001–2018)

शिप्रा सिंह, डॉ. अनीता माथुर

सारांश
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का प्रारम्भ सम्पूर्ण भारत में 25 दिसम्बर 2000 को किया गया था, जिसका प्रमुख उद्देश्य देश के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की स्थिति को सुधारने तथा गाँवों को बारहमासी एवं पक्की सड़को से जोड़ना था। जयपुर जिले में तीव्र गति से जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, जिस कारण यहाँ के संसाधनों पर जनसंख्या दबाव बढ़ता जा रहा है, इस दबाव के सुनियोजित तरीके से प्रबंधन में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जयपुर जिले की सभी तहसीलों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत् नवीन सड़कों का निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिससे अनेक गांव विकास की मुख्य धारा से जुड़ रहे हैं। योजना के तहत निर्मित सड़कों से ग्रामीण क्षेत्रों के निवासी आर्थिक विकास के लिए प्रोत्साहित हुए हैं, भूमि उपयोग एवं फसलों के अन्तर्गत उत्पादन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जिले में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ हुई हैं, प्रशासनिक केन्द्रों से जुड़ाव एवं पर्यटन का विकास हुआ है। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में विभिन्न मुद्दों पर सामाजिक जागरूकता में वृद्धि हुई है, अर्थात् जिले में सामाजिक विकास हुआ है।

कुटशब्दः बारहमासी सड़कें, जनसंख्या दबाव, प्रबंधन, आर्थिक विकास, सामाजिक विकास

प्रस्तावना

ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक प्रगति में सड़कों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। ग्रामों को सड़क मार्ग से जोड़ने पर ग्रामीणों को यातायात की सुविधा तो उपलब्ध होती ही है, इसके साथ ग्रामीणों की कृषि आय एवं रोजगार के अवसरों पर भी सकारात्मक प्रभाव होता है। केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामों को सड़क मार्गों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना प्रारम्भ की गई। इस योजना का लक्ष्य सड़कों से बिना जुड़े हुए ग्रामीण जन–समूहों को आर्थिक एवं अन्य आवश्यक सेवाओं से जोड़ने का है। यह योजना शत प्रतिशत केन्द्र प्रवर्तित योजना के रूप में शुरू की गयी थी, बाद में इस पर केन्द्र एवं राज्य दोनों सरकारों पर वित्तीय भार बांट दिया गया। योजना का मुख्य वित्तीय स्रोत डीजल पर उप–कर से प्राप्त राशि है जिसकी 50 प्रतिशत राशि ग्रामीण सड़कों के निर्माण हेतु निर्धारित किया गया है। यह योजना अपने प्रारम्भिक चरण में 1000 एवं इससे अधिक आबादी वाले ग्रामों को जहाँ पर सड़कें नहीं हैं, उनको बारहमासी सड़कों से जोड़ने हेतु सम्मिलित किया गया था परन्तु दसवीं पंचवर्षीय योजना में आबादी के मानदण्ड को घटा कर 500 किया गया है। मरुभूमि क्षेत्र एवं जनजाति क्षेत्रों में 250 और अधिक आबादी वाले गांव सड़क संपर्क से वंचित गांवों को स्थायी एवं पक्की सड़कों से जोड़ना है।

अध्ययन क्षेत्र

जयपुर जिला, राजस्थान राज्य के पूर्वी भाग में $26^{0}23'$ उत्तरी अक्षांश से $27^{0}51'$ उत्तरी अक्षांश तथा $74^{0}55'$ पूर्वी देशान्तर से $76^{0}50'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य अवस्थित है, जिसमें स्थित जयपुर शहर राज्य की राजधानी है। यह जिला प्रदेश में ऐतिहासिक, प्रशासनिक, सामाजिक एवं आर्थिक रूप में अपना प्रमुख स्थान रखता है। इसके पूर्व में अलवर व दौसा जिले, पश्चिम में नागौर व अजमेर जिले, दक्षिण में टोंक जिला तथा उत्तर में सीकर व हरियाणा का महेन्द्रगढ़ जिला स्थित हैं। जयपुर जिले की समुद्री तल से औसत ऊंचाई 431 मीटर है। इस जिले में अरावली पर्वत श्रेणी उत्तर–पश्चिम क्षेत्र से गुजरती है, यहां की जलवायु शुष्क एवं अर्द्धशुष्क प्रकार की है। अरावली पर्वत श्रेणी मानसून रेखा के समान्तर होने के कारण यहां वर्षा कम होती है। जयपुर में 60.35 सेन्टीमीटर औसत वर्षा होती है, शीतकाल में यहाँ जो वर्षा होती है, उसे मावठ कहते हैं। जनवरी का तापमान $8^{0}c$ से $10^{0}c$ तक होता है। जयपुर जिले में वर्ष 2011 में 955.66 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र घेरे हुए था। जिले में केवल मौसमी नदियाँ ही प्रवाहित होती हैं, जिनमें बाणगंगा, साबी, मेण्ढा, मांसी, बाण्डी, सोता व ढूंढ प्रमुख नदियाँ हैं। जयपुर जिला प्रदेश का सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला है, जहाँ उच्च जनसंख्या घनत्व का प्रमुख कारण अनुकूल भौगोलिक दशाओं का होना है।

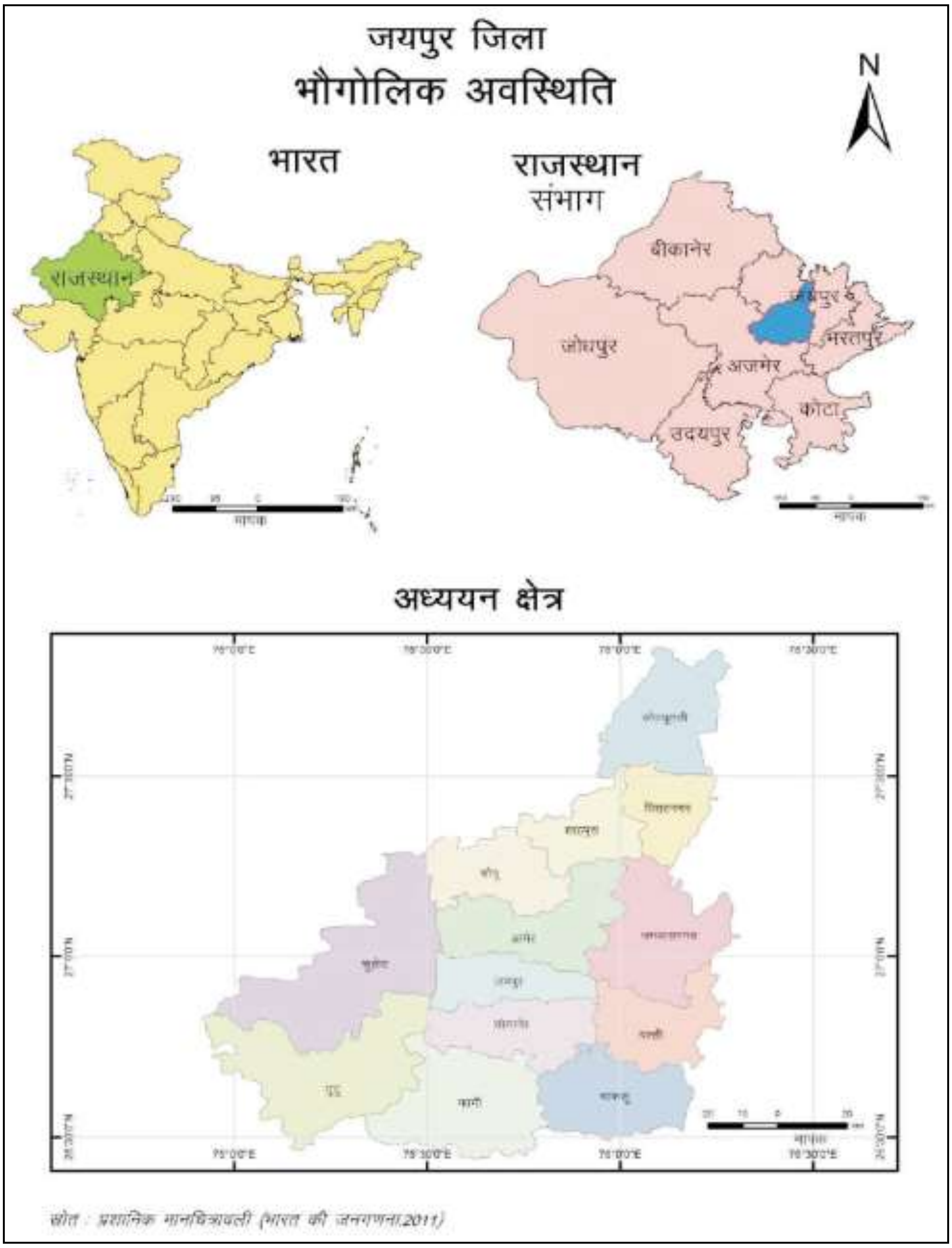

मानचित्र 1: जयपुर जिले की अवस्थिति

उद्देश्य

1. जयपुर जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कारण हुए सामाजिक प्रभावों का अध्ययन करना।
2. जयपुर जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कारण हुए आर्थिक प्रभावों का अध्ययन करना।

परिकल्पना

1. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित सड़कों के कारण जयपुर जिले में सामाजिक एवं आर्थिक विकास हुआ है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध में उद्देश्यों तथा परिकल्पना को ध्यान में रखते हुए विषय पर उपलब्ध साहित्य से सम्बन्धित पुस्तकों, पत्र–पत्रिकाओं, प्रतिवेदनों का अध्ययन किया गया है। अध्ययन क्षेत्र की सूचनाएँ सरकारी एवं निजी कार्यालयों से एकत्रित करके विश्लेषित की गयी हैं। प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु सामग्री तथा आंकड़ों का एकत्रीकरण निम्नलिखित स्रोतों से किया गया है –

1. **प्राथमिक स्रोतः** इस सम्बन्ध में अनुसूची एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से आंकड़ों एवं सूचनाओं को एकत्रित किया गया है।
2. **द्वितीय स्रोतः** इस सम्बन्ध में प्रकाशित व अप्रकाशित सामग्री, पत्र–पत्रिकाओं, लेखों, कार्यालयों के प्रगति प्रतिवेदनों का उपयोग किया गया है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के प्रभाव

जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों को पक्की एवं बारहमासी सड़कों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत सड़कों का निर्माण वर्ष 2000 से किया जा रहा है, जिसके फलस्वरूप जिले में अनेक सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव हुए हैं, जिनमें भूमि उपयोग, फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल, फसल उत्पादन, पशुपालन, ड़ेयरी, आवासीय क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र, वाणिज्यिक क्षेत्र, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाऐं, पर्यटन, रोजगार, पारिवारिक संबंध आदि सम्मिलित हैं।

1. भूमि उपयोग पर प्रभाव

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में जयपुर जिले को प्राथमिकता के साथ शामिल किया गया है तथा यहाँ योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में सड़कों का जाल विकसित किया गया है, परिणामस्वरूप जिले के भूमि उपयोग में परिवर्तन हुआ है।

तालिका 1: जयपुर जिले में भूमि उपयोग (हैक्टेयर में)

क्र. सं.	भूमि उपयोग	2000–01	2006–07	2012–13	2018–19
1	जंगलात	81511	81418	82606	82814
2	कृषि अयोग्य भूमि	128470	133119	123808	140741
3	जोत रहित भूमि (पडत भूमि के अतिरिक्त)	111256	114607	114536	110630
4	पडत भूमि	200125	154522	93266	117467
5	वास्तविक बोया गया क्षेत्रफल (दुपज घटाकर)	584154	621853	661842	637433
6	समस्त बोया गया क्षेत्रफल	814956	861411	1013001	980987
7	एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल	230802	239558	351159	343554

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी रूपरेखा, जयपुर वर्ष 2002, 2008, 2014 व 2020

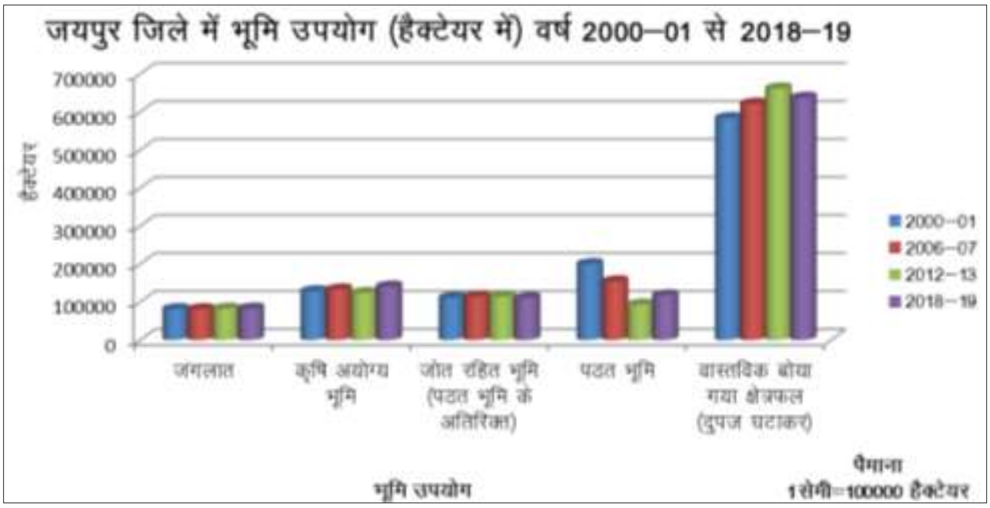

आरेख 1: जयपुर जिले में भूमि उपयोग (वर्ष 2000–01 से 2018–19)

जयपुर जिले में वर्ष 2000–01 में जंगलात क्षेत्र 81511 हैक्टेयर, कृषि अयोग्य भूमि 128470 हैक्टेयर, जोत रहित भूमि 111256 हैक्टेयर, पड़त भूमि 200125 हैक्टेयर, वास्तविक बोया गया क्षेत्रफल 584154 हैक्टेयर, समस्त बोया गया क्षेत्रफल 814956 हैक्टेयर एवं एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल 230802 हैक्टेयर थे। जो कि वर्ष 2018–19 तक क्रमशः जंगलात 82814 हैक्टेयर, कृषि अयोग्य भूमि 140741 हैक्टेयर, जोत रहित भूमि 110630 हैक्टेयर, पड़त भूमि 117467 हैक्टेयर, वास्तविक बोया गया क्षेत्रफल 637433 हैक्टेयर, समस्त बोया गया क्षेत्रफल 980987 हैक्टेयर एवं क बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल 343554 हैक्टेयर हो गये हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्र में लगातार सड़कों के निर्माण के परिणामतः भूमि उपयोग में परिवर्तन हुआ है।

2. फसलों के अन्तर्गत उत्पादन पर प्रभाव

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में सड़कों का निर्माण किया गया है, परिणामतः जिले में विभिन्न फसलों के अन्तर्गत उत्पादन में परिवर्तन हुआ है। जिसके कारण फसलों में मात्रात्मक एवं गुणात्मक सुधार भी हुआ है, जिले के ग्रामीण क्षेत्र की एक बड़ी आबादी कृषि एवं उससे संबंधित कार्यों में संलग्न है। जयपुर जिले में वर्ष 2000–01 में खाद्यान्न फसलों के अन्तर्गत उत्पादन 430703 मैं.टन, दालों के अन्तर्गत उत्पादन 46317 मैं.टन, तिलहन के अन्तर्गत उत्पादन 62943 मैं.टन, अखाद्य फसलों के अन्तर्गत उत्पादन 21649 मैं.टन, एवं सभी फसलों के अन्तर्गत कुल उत्पादन 561612 मैं.टन, थे। जो कि वर्ष 2018–19 तक खाद्यान्न फसलों के अन्तर्गत उत्पादन 859774 मैं.टन, दालों के अन्तर्गत उत्पादन 225240 मैं.टन, तिलहन के अन्तर्गत उत्पादन 162419 मैं.टन, अखाद्य फसलों के अन्तर्गत उत्पादन 42365 मैं.टन, एवं सभी फसलों के अन्तर्गत कुल उत्पादन 1289798 मैं.टन, हो गये हैं।

3. परिवहन पर प्रभाव

जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत अनेक सड़कों का निर्माण किया गया है, जिससे जिले के शहरी क्षेत्रों की भांति ग्रामीण क्षेत्रों में भी पंजीकृत वाहनों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। जिले में वर्ष 2000–01 से वर्ष 2018–19 तक लगातार पंजीकृत वाहनों की संख्या में वृद्धि हुई है, वर्ष 2000–01 में कुल पंजीकृत वाहनों की संख्या 638214 थी, जो बढ़ कर वर्ष 2018–19 तक 3270366 हो गयी है। पीएमजीएसवाई ने ग्रामीण जनसंख्या को एक दूसरे क्षेत्रों से जोड़ने का काम किया है क्योंकि इसके माध्यम से गावों व शहरों के बीच की दूरी कम हो गयी है। अध्ययन क्षेत्र में सड़क मार्ग से पहले इन गांवों में सरकारी बस व निजी आवागमन साधनों की कमी थी, लेकिन सड़कों के निर्माण के कारण आपसी संपर्क बढ़ने के साथ–साथ समय की बचत भी हो रही है एवं परिवहन लागत में कमी आई है। अध्ययन क्षेत्र में वाहनों की संख्या में वृद्धि होने से फेरों में भी वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे ग्रामीणों की आसानी से शहरों तक पहुँच तथा अपने काम उपरान्त प्रतिदिन वापस अपने घर तक पहुँचने में सुलभता हुई है।

4. पर्यटन पर प्रभाव

जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के

तहत अनेक सड़कों का निर्माण किया गया है, जिसके फलस्वरूप जिले के सभी क्षेत्रों तक लोगों की पहुँच आसान हो गयी है। जयपुर जिले के पर्यटन स्थलों में वर्ष 2001 से 2018 तक देशी व विदेशी पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी देखी गयी है, वर्ष 2001 में स्वदेशी पर्यटकों की संख्या 655715, विदेशी पर्यटकों की संख्या 172950 तथा कुल पर्यटकों की संख्या 828665 थी, जबकि वर्ष 2018 में जिले में आने वाले स्वदेशी पर्यटकों की संख्या 1787836, विदेशी पर्यटकों की संख्या 681227 तथा कुल पर्यटकों की संख्या 2469063 रही है। अध्ययन क्षेत्र में पर्यटन को एक उद्योग के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसके परिणामतः क्षेत्र के आर्थिक विकास में लगातार सकारात्मकता देखी जा रही है।

5. शिक्षा पर प्रभाव

जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित सड़कों के फलस्वरूप शैक्षणिक केन्द्रों तक विद्यार्थियों की पहुँच सुगम हुई है। गांव तथा ढ़ाणियों के सड़क मार्ग द्वारा जुड़ने से पहले इस क्षेत्र में बच्चे विद्यालय जाने में आवागमन की दृष्टि से असहजता महसूस करते थे या फिर बीच सत्र में विद्यालय छोड़ देते थे। मगर सड़क मार्ग विकास उपरांत परिवहन सुविधा उपलब्ध होने से बालक–बालिकाएँ विद्यालय जाने के लिए एक गांव से दूसरे गांव आसानी से पहुंचते हैं। साथ ही निजी शिक्षण संस्थानों द्वारा भी बाल वाहिनी की सुविधा गाँव एवं ढाणियों तक उपलब्ध हो पायी है। अतः स्पष्ट होता है कि पीएमजीएसवाई से पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं की शैक्षिक केन्द्रों तक पहुँच में सुगमता हुई है।

6. स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रभाव

जिले में ग्रामीण क्षेत्र में बारहमासी सड़कों के निर्माण से पहले आवागमन के साधनों के अभाव में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या जिला अस्पताल तक पहुंच पाना मुश्किल होता था, लेकिन प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़कों के निर्माण के उपरांत परिवहन साधनों की सुलभता से किसी भी स्तर के अस्पताल तक पहुंच पाना बहुत आसान हो गया है, साथ ही इन क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि पीएमजीएसवाई के तहत निर्मित सड़कों के परिणामतः लोग अस्पतालों तक कम समय में आसानी से पहुंच कर सेवाओं का लाभ ले रहे हैं।

7. प्रशासनिक केन्द्रों से जुड़ाव

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना द्वारा सड़क निर्माण से जयपुर जिले के गांवों तक प्रशासनिक सुविधा की सुलभता सुनिश्चित हुई है। बारहमासी एवं पक्की सडकों के अभाव में इन क्षेत्रों में प्रशासनिक अधिकारियों के दौरे न के बराबर होते थे एवं लोगों की प्रशासनिक केन्द्रों तक पहुँच भी बहुत कम थी। सड़क निर्माण से स्थानीय ग्रामीणों की प्रशासनिक केन्द्रों तक सुविधाजनक पहुँच में वृद्धि हुई है, साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों के दौरे भी बढ़े हैं, जिससे प्रशासन से जुड़ाव के साथ–साथ विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों व योजनाओं की जानकारी समय–समय पर मिलती रहती है।

8. सामाजिक जागरूकता में वृद्धि

अध्ययन क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत हुए सड़क विकास से लोगों का आपसी सम्पर्क बढ़ा है, जिससे सामाजिक जागरूकता में वृद्धि हुई है जैसे बालिका शिक्षा व महिलाओं की सहभागिता, परिवार नियोजन में सुधार तथा अंधविश्वास रूढ़िवादिता, दहेज प्रथा, बाल–विवाह, मृत्यु भोज आदि में कमी देखने को मिली है। सड़कों के निर्माण से गांव वालों का सामाजिक संपर्क दूर–दराज के गांवों या क्षेत्रों से भी होने लगा है। जिससे सामाजिक रिश्ते नातों में व्यापकता देखने को मिलती है। सामाजिक जागरूकता के लिए सरकारी द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रयासों का प्रचार–प्रसार का दायरा बढ़ रहा है। इस प्रकार पीएमजीएसवाई से ग्रामीणों की सामाजिक व सामुदायिक कार्यक्रमों में भागीदारी में वृद्धि हुई है।

9. पशुपालन व ड़ेयरी विकास

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत सड़क विकास से कृषि के साथ–साथ पशुपालन व्यवसाय में भी वृद्धि हुई हैं जिसमें मुख्यतः भेड़, बकरी, गाय, भैंस, ऊँट तथा मुर्गीपालन हैं। अध्ययन क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर पशु मेलों का भी आयोजन होता है जिससे लोगों को उचित मूल्य पर पशु खरीदने व बेचने में आसानी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में पीएमजीएसवाई सड़क मार्ग विकास से दूध संकलन वाहनों की पहुँच घरों तक सुगमता से हो पायी है, जिससे ग्रामीणों को दुग्ध एवं दुग्ध से सम्बन्धित उत्पादों जैसे– दही, छाछ, मावा, पनीर आदि का उचित मूल्य मिलने से उनकी आय में वृद्धि हुई है।

10. उद्योग एवं व्यापार

गाँव व ढाणियों का पीएमजीएसवाई सड़कों से जुड़ने से आवागमन के साधनों में वृद्धि हुई, जिससे आर्थिक गतिविधियों के लिए कच्चा माल या उत्पाद की पहुंच संभव हो पायी है। प्रधानमन्त्री ग्राम सड़क मार्ग के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक लघु उद्योगों एव छोटी–छोटी व्यापारिक इकाइयों का विकास हुआ है, जैसे ईंट भट्टा उद्योग, भवन निर्माण सामग्री उद्योग, वजन कांटा, लौह एवं एल्युमिनियम उद्योग, वाहन सर्विस सेन्टर उद्योग, डेयरी उद्योग, किराना स्टोर, अनाज मंडी, हार्डवेयर–फर्नीचर उद्योग, ऐलोवेरा प्रोसेसिंग प्लांट, फ्लोर मिल आदि का विकास हुआ है, इस प्रकार प्राथमिक व्यवसाय की अपेक्षा द्वितीयक एवं तृतीयक व्यवसायों का तीव्र विकास हो रहा है।

11. भूमि मूल्य में वृद्धि

जयपुर जिले में तीव्र जनसंख्या वृद्धि हुई है, यहाँ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का सबसे बड़ा आर्थिक प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि मूल्य में वृद्धि के रूप में देखने को मिलता है। इससे गांवों में न केवल सड़क मार्ग के नजदीक बल्कि दूरी पर स्थित कृषि व आवासीय भूमि की कीमतों में अत्यधिक वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान भूमि उपयोग में भी परिवर्तन हुआ है, जहां पहले या तो बंजर भूमि थी या कृषि की जाती थी वहाँ पर अब अन्य व्यावसायिक गतिविधियां भी विकसित हो रही हैं, जिससे भूमि के मूल्यों में अत्यधिक वृद्धि देखी जा रही है।

12. रोजगार के अवसरों में वृद्धि

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गांवों के सड़क मार्ग से जुड़ने से रोजगार के नवीन अवसरों का सृजन हुआ है। सड़क निर्माण से श्रमिक वर्ग कर्मचारी वर्ग व बेरोजगार वर्ग की गांव व शहर दोनों में ही आसानी से उपलब्धता हो पायी है। सड़क मार्ग बनने से पहले बहुत सारी दैनिक आवश्यकता के सामानों की पूर्ति हेतु निकटवर्ती शहरों पर निर्भर रहना पड़ता था जबकि सड़क के आने से स्थानीय लोगों को रोजगार के अनेक विकल्प मिले हैं, जिनमें फल–सब्जियों, आटा चक्की दुकान, किराना स्टोर, हेयर ड्रेसर, टेलर, वाहन सर्विस सेन्टर हार्डवेयर–फर्नीचर उद्योग, ई–मित्र व मेडिकल की दुकान आदि प्रमुख है।

13. वार्षिक आय में वृद्धि

अध्ययन क्षेत्र में सड़क मार्ग निर्माण से पहले आर्थिक रूप से कृ षि ही एकमात्र कार्य था। सड़क मार्ग जुड़ाव से गांव में रोजगार

के नए अवसर सृजित हुए एवं गांव की कार्यशील जनसंख्या, दिहाड़ी मजदूरों को शहरों तक पहुँचने का साधन मिला है। दैनिक आवागमन होने से श्रमिक व छात्र वर्ग को शहर में ठहरने हेतु अतिरिक्त खर्चे से भी मुक्ति मिली है। ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन केन्द्रों तथा स्थानीय मेलों, धार्मिक स्थलों आदि के विकास से स्थानीय महिलाओं को भी विभिन्न रूपों में रोजगार प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार स्थानीय लोगों को कृषि व पशुपालन के अलावा दूसरे स्रोतों से भी आय हो रही है।

निष्कर्ष

जयपुर जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित सड़कों के कारण जिले में सामाजिक एवं आर्थिक विकास हुआ है। जयपुर जिले में भूमि उपयोग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, विभिन्न फसलों के अन्तर्गत उत्पादन में वृद्धि हुई है। परिवहन मार्गों एवं पंजीकृत वाहनों की संख्या पर सकारात्मक प्रभाव हुआ है। जिले में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ हुई हैं, प्रशासनिक केन्द्रों से जुड़ाव एवं पर्यटन का विकास हुआ है। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में विभिन्न मुद्दों पर सामाजिक जागरूकता में वृद्धि हुई है। जयपुर जिले में पशुपालन, ड़ेयरी, उद्योग एवं व्यापार गतिविधियों का विकास हुआ है। जिले में ग्रामीण क्षेत्र की भूमि के मूल्यों में वृद्धि हुई है, लोगों के रोजगार के अवसरों तथा वार्षिक आय में वृद्धि हुई है।

सन्दर्भ सूची

1. कुमावत वी. के. (2022) "ट्रांसपोर्टेशन इंजिनियरिंग" टेक–नियो प्रकाशन, पुणे, पृ. सं. 45–56।
2. सौम्या के, भट जयराम (2021) "परफॉरमेंस ऑफ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) इन रूरल रोड़ कनेक्टिविटी – ए स्टेड़ी", जनरल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीस एण्ड़ इनोवेटिव रिसर्च, वोल्यूम 8, इश्यू 7
3. सक्सेना, हरिमोहन (2021),''राजस्थान का भूगोल'', राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, राजस्थान सरकार पृ. सं. 78–87।
4. बालामुरूगन जे (2020) "रोल ऑफ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) इन रूरल ड़वलपमेंट", जनरल ऑफ सोशियल वेलफेयर एण्ड़ मैनेजमेंट, वोल्यूम 12, इश्यू 2
5. शर्मा, एच.एस., शर्मा, एम.एल. (2020), राजस्थान का भूगोल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर, पृ. सं. 47–58।
6. जिला साख्यिकी रूपरेखा, जयपुर जिला– वर्ष 2001–2019
7. मामोरिया चतुर्भुज, जोशी रतन (2019), "आर्थिक भूगोल" साहित्य भवन प्रकाशन, आगरा, पृ. सं. 98–113।
8. कौशिक देवेश (2012), "परिवहन भूगोल" अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली, पृ. सं. 67–78।
9. http://omms.nic.in
10. http://pmgsy.nic.in